रक्तदान गीत

(तर्जः धीरे धीरे बोल कोई सुन ना ले)

रक्त का दान जो करते है, करते है जो करते है।
जन कल्याण वो करते है, करते है वो करते है।
सतगुरू का ये कहना है, ये पुण्य कमाते रहना है॥

नालियों में ना खून बहाना है।
नाडियों तक इसको पहुचाना है।
खुद ये सन्तों कर्म कमाना है।
औरों को भी ये समझाना हैं।
सच जान लो, हाँ मान लो
सबसे बडा ये दान है, और सतगुरू को परवान है॥

गुरू हरदेव ने ये फरमाया था।
रक्तदान देकर सिखलाया था।
बेश किमती इन्सानी है जान,
सबको इसका मर्म बताया था।
सच जान लो, हाँ मान लो
सबसे बडा ये दान है, और सत्गुरू को परवान है॥

मानवता की सेवा करनी है
आशिर्वाद से झोली भरनी है।
'शौक' ये देह तो आनी जानी है
जीते जी अच्छाई कमानी है।
सच जान लो, हाँ मान लो।
सबसे बडा ये दान है, और सतगुरू को परवान है॥
रक्त का दान जो करते है.....